

2021

SANSKRIT — GENERAL

Second Paper

Full Marks : 100

*The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

Unit – I

(Marks : 40)

1. Answer **any one** of the following questions :নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির **যে-কোনো একটি**-র উত্তর লেখো :

(a) Who is Haṃsapadikā? Where does she sing? Describe the significance of the songs of Haṃsapadikā. 2+1+9

হংসপদিকা কে? তিনি কোথায় গান করেছিলেন? গানের তাৎপর্য নিরূপণ করো।

(b) Discuss the importance of the role of Vidūṣaka in Kālidāsa's *Abhijñānaśakuntalam*. 12

কালিদাসের অভিজ্ঞানশকুন্তলম্ নাটকে বিদূষক চরিত্রটির গুরুত্ব আলোচনা করো।

(c) Bring out the dramatic significance of the "Fisherman episode" of *Abhijñānaśakuntalam*. 12

অভিজ্ঞানশকুন্তলম্ নাটকে ধীবর বৃত্তান্তের তাৎপর্য নিরূপণ করো।

2. Answer **any four** of the following questions :

2×4

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির **যে-কোনো চারটি**-র উত্তর লেখো :

(a) What is the criteria of success of a dramatic performance according to the opinion of stage-manager?

সূত্রধারের মতে নাট্যাভিনয়ের সাফল্যের মাপকাঠি কী?

(b) "आर्तनाणाय वः हास्रं न प्रहर्तुमनागसि"

—Who said this to whom?

—কে কাকে বলেছেন?

(c) "भवितव्यानां द्वायाणि भवन्ति सर्वत्र"

—Who said this and why?

—কে বলেছেন এবং কেন?

(d) How did the king come to know that they had reached outskirts of the hermitage?

কী করে রাজা বুঝলেন যে তাঁরা আশ্রমের সন্নিকটস্থ হয়েছেন?

Please Turn Over

- (e) Who were the real parents of Śakuntalā? Why was sage Kaṇva known as her father?
शकुन्तलार प्रकृत पिता-माता कारा? ऋषि कण्व केन तार पितारूपे परिचित?
- (f) What is meant by 'कुलपति'? Who is 'कुलपति' in the drama *Abhijñānaśakuntalam*?
'कुलपति' शब्देर अर्थ की? अभिज्ञानशकुन्तल नाटके कुलपति के?

3. Translate into Bengali *or* English **any one** of the following :

6×1

निम्नलिखित प्रश्नগুলির *যে-কোনো একটি*-র বাংলা অথবা ইংরেজিতে অনুবাদ করো :

- (a) या सृष्टिः स्रष्टुराद्या वहति विधिहुतं या हविर्या न होत्री
ये द्वे कालं विधत्तः श्रुतिविषयगुणा या स्थिता व्याप्य विश्वम्।
यामाहुः सर्वबीजप्रकृतिरिति यया प्राणिनः प्राणवन्तः
प्रव्यक्षाभिः प्रपन्नस्तनुभिरवतु वस्ताभिरष्टाभिरीशः॥
- (b) अनाघ्रातं पुष्पं किसलयमलूनं कररुहै—
रनाविद्धं रत्नं मधु नवमनास्वादितरसम्।
अखण्डं पुण्यानां फलमिव च तद्रूपमनघं
न जाने भोक्तारं कमिह समुपस्थास्यति विधिः।

4. Explain with reference to the context **any one** of the following :

8×1

নিম্নলিখিত *যে-কোনো একটি*-র সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করো :

- (a) आ परितोषाद् विदुषां न साधुमन्ये प्रयोगविज्ञानम्।
वलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः।
- (b) शुद्धान्तदुर्लभमिदं वपुराश्रमवासिनो यदि जनस्य।
दूरीकृताः खलु गुणैरुद्यानलता वनलताभिः।

5. Amplify **any one** of the following :

6×1

নিম্নলিখিত *যে-কোনো একটি*-র ভাবসম্প্রসারণ করো :

- (a) सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः।
- (b) किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।

Or,

Write short notes on **any two** of the following :

3×2

নিম্নলিখিত *যে-কোনো দুটি* বিষয়ে সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো :

- (a) अनुसूया, (b) नान्दी, (c) भरतवाक्यम्, (d) मातलिः।

Unit – II

(Marks : 30)

6. Discuss the qualities of king Dilīpa as found in *Raghuvamśam*, Canto 1. 10
রঘুবংশের প্রথমসর্গে অবলম্বনে রাজা দিলীপের গুণাবলী বর্ণনা করো।

Or, অথবা

Why did king Dilīpa go to the hermitage of Vaśiṣṭha? Describe this journey. 2+8
রাজা দিলীপ কেন বশিষ্ঠাশ্রমে গিয়েছিলেন? সেই যাত্রাপথের বর্ণনা দাও।

7. Answer *any three* questions : 2×3
যে-কোনো তিনটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

- (a) How many cantos are there in *Raghuvamśam*? What is the name of the first Canto of it?
রঘুবংশে কতগুলি সর্গ আছে? এর প্রথম সর্গের নাম কী?
- (b) Name any one commentator of the *Raghuvamśam*. What is the name of his commentary?
রঘুবংশের যে-কোনো একজন টীকাকারের নাম লেখো। তাঁর টীকার নাম কী?
- (c) Who was Nandini? How did she look?
নন্দিনী কে? সে কীরকম দেখতে ছিল?
- (d) What was the shape of king Dilīpa?
রাজা দিলীপের আকৃতি কীরকম ছিল?
- (e) Who was वैवस्वतमनु?
वैवस्वतमनु কে ছিলেন?

8. Translate into Bengali *or* English *any one* of the following : 6×1
নিম্নলিখিত যে-কোনো একটি-র বাংলা অথবা ইংরেজি অনুবাদ করো :

- (a) मन्दः कवियशः प्रार्थी गमिष्याभ्युपहास्यताम्।
प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्धाहुरिव वामनः॥
- (b) प्रजानामिव भूत्यर्थं स ताम्यो वलिमग्रहीत्
सहस्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः।

9. Explain with reference to the context *any one* of the following : 8×1
নিম্নলিখিত যে-কোনো একটি-র সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা লেখো :

- (a) वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये।
जगतः पितरौ वन्दे पार्वती-परमेश्वरौ॥
- (b) क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः।
तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुद्धुपेनास्मि सागरम्॥

Please Turn Over

Unit – III

(Marks : 20)

10. (a) Give the resulting forms of **any five** of the following : 1×5
 निम्नलिखित **ये-कौनो पाँचटि**-र परिणत रूप लेखो ः
- (i) भृगु + अण्।
 - (ii) बहु + इमनिच्।
 - (iii) अधि-वस् + ल्यप्।
 - (iv) पच् + क्त।
 - (v) सह + तुमुन्।
 - (vi) आस् + शानच्।
 - (vii) गम् + क्विप्।
- (b) Substitute single words for **any five** of the following : 1×5
 निम्नलिखित **ये-कौनो पाँचटि**-र एककथाय प्रकाश करो ः
- (i) दशरथस्य अपत्यं पुमान्।
 - (ii) सभायां साधुः।
 - (iii) द्वारे नियुक्तः।
 - (iv) पुनः पुनः नृत्यति।
 - (v) जेतुं शक्यम्।
 - (vi) वाल्मीकिना प्रोक्तम्।
 - (vii) अहनि अहनि।
- (c) Name and expound the Samāsa in **any five** of the following : 2×5
 निम्नलिखित **ये-कौनो पाँचटि**-र व्यासवाक्यसह समासेर नाम लेखो ः
- (i) कुम्भकारः
 - (ii) मातापितरौ
 - (iii) नदीमातृकः
 - (iv) पुरुषसिंहः
 - (v) युवजानिः
 - (vi) केशाकेशि

- (vii) पञ्चवटी
- (viii) यथासाध्यम्
- (ix) नीलोत्पलम्।

Unit – IV

(Marks : 10)

11. Translate *any one* of the following passages into Bengali *or* English : 10×1

নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদগুলির *যে-কোনো একটি*-র বাংলা *অথবা* ইংরেজি অনুবাদ করো :

- (a) अस्ति गौतमारण्ये महातपा नाम मुनिः। तेनाश्रमसन्निधाने मूषिकशावकः काकमुखाद् भ्रष्टो दृष्टः। ततः स्वभावदयात्मना तेन मुनिना नीवारकणैः संवर्धितः। ततः विडालस्तं मूषिकं खादितुमुपधावति। तमवलोक्य मूषिकस्तस्य मुनेः क्रोडं प्रविवेश। ततः स विडालः कुक्कुरं दृष्ट्वा पलायते। तथा मुनिनोक्तम् कुक्कुराद् विभेषि। त्वमेव कुक्करो भव। स कुक्करो व्याघ्राद् विभेति। ततस्तेन मुनिना कुक्कुरो व्याघ्रः कृतः।
- (b) अस्ति दाक्षिणात्ये जनपदे महिलारोण्यं नाम नगरम्। तत्र अमरशक्तिर्नाम राजा बभूव। तस्य त्रयः पुत्राः परमदुर्मेधसः वसुशक्तिरुग्रशक्तिरनेकशक्तिश्चेति नामानो बभूवुः। अथ राजा तान् शास्त्रविमुखानालोक्य सचिवानाहूय प्रोवाच— भोः ज्ञातमेतद् भवद्भिः यन्ममैते पुत्राः शास्त्रविमुखा विवेकशक्तिरहिताश्च। तदेतान् पश्यतो मे महदपि राज्यं न सौख्यमावहति।